



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 101]

नई विल्ली, मंगलबार, फरवरी 19, 1991/माघ 30, 1912

No. 101] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 19, 1991/MAGHA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

प्रधिसूचना

नई विल्ली, 19 फरवरी, 1991

का.प्रा. 110(प्र).—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक द्वित में ऐसा करना आवश्यक और समीची है;

प्रतः अब, केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार सथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 6 के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त प्रमितयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (कंपनी कार्य विभाग) की प्रधिसूचना संख्या 29(प्र) तारीख 3 मार्च, 1986 का निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात्—

उक्त प्रधिसूचना की अनुसूची में, कम संख्याक 50 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्याक और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, प्रथात्—

कम सं.	उद्योग का नाम	विस्तृत बैंड बर्णन के असर्वत विनियोग के लिए अनुकूल मद्देन्द्रिय
1	2	3

“51. पूर्णतः या भागतः जूट से जिसमें जूट, सुतली और रस्ती है से बनी ईस्टाइल्स (जिसमें वह भी है जो रजिस, छपी तृष्णा या अन्यथा प्रसंस्कृत की गई हों)।

ओरा, ईसियन, जूट सुतली और जूट रस्ती जैसी परम्परागत जूट ऐरेंजिंग सामग्री को छोड़कर जूट, जूट मिश्रित सूत, जूट मिश्रित सजावटी फैब्रिक, बस्तों के लिए जूट आधारित फैब्रिक, जूट पटक्सन, जूट कालीन, जूट कम्बल और जूट नमवा जैसे जूट उत्पादों के विनियोग के लिए सभी फाइबरों का उपयोग चाहे वे प्राकृतिक, मानव निर्मित या अपारंपरिक हों, प्रथात्— कपास, ऊन, संसिलेट, सम, रैमी, अनन्दास पत्ती और इन फाइबरों से बने अन्य फाइबर और सूत।

1

2

3

52. ईक्सराइल्स (जिसमें वह भी है जो रंजित, छपी हुई या प्रत्यया प्रसंस्कृत की गई हैं) :—

- (i) पूर्णतः या भागतः कपास से बनी जिसमें सूती सूत, होजियरी और रस्सी हैं;
- (ii) पूर्णतः या भागतः ऊन से बनी जिसमें दीर्घ ऊन, छपी सूत, होजियरी, कालीन और मीठा ऊनी बस्त हैं;
- (iii) पूर्णतः या भागतः मानव निर्मित हातिम संशिलस्ट काइबर से बनी (जिसमें ऐसे काइबर का सूत और होजियरी है)।

बोरा, हैसियन, जूट सूती और जूट रस्सी जैसी परंपरागत जूट ऐकेजिंग सामग्री को छोड़कर जूट, जूट मिश्रित भजावटी फैब्रिक, बस्तों के लिए जूट जूट, आधारित फैब्रिक, जूट पट्टन, जूट कालीग, जूट कंबल और जूट नमया जैसे जूट उत्पदों के विनिर्माण के लिए जूट फाइबरों और अपारापरिक फाइबरों प्रयोग, सन, रेमी, अनप्राप्त पत्ती आदि और इन फाइबरों से बने सूत का उपयोग।"

[संख्या: 5/25/89-एम]
एम.बी. सिंह, उप सचिव

टिप्पणी: मूल अधिसूचना संख्या 79(प्र) भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 2, खंड 3, उपनियंश (ii) में तारीख 3-3-1986 को प्रकाशित की गई थी जिसमें निम्नलिखित अधिसूचनाओं हारा प्रकाशिती संशोधन किए गए:—

(i) का.प्रा. 918(प्र)	तारीख 16-12-1986
(ii) का.प्रा. 299(प्र)	तारीख 2-4-1987
(iii) का.प्रा. 1005(प्र)	तारीख 1-11-1988
(iv) का.प्रा. 1203(प्र)	तारीख 27-12-1988
(v) का.प्रा. 139(प्र)	तारीख 2-2-1989
(vi) का.प्रा. 490(प्र)	तारीख 28-6-1989
(vii) का.प्रा. 746(प्र)	तारीख 19-9-1989
(viii) का.प्रा. 830(प्र)	तारीख 19-10-1989
(ix) का.प्रा. 229(प्र)	तारीख 16-03-1990

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February, 1991

S.O. 110(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (3) of rule 6 of the Monopolies and restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following amendments to the Notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Company Affairs) No. 79 (E), dated the 3rd March, 1986, namely:—

In the Schedule to the said Notification, after serial number 50 and the entries relating thereto, the following serial numbers and the entries shall be added, namely :—

S.No.	Name of the Industry	Items permitted for manufacture under broad banded description
1	2	3
51.	Textiles (including those dyed, printed or otherwise processed) made wholly or in part of jute, including jute, twine and rope.	Utilisation of all fibres whether natural, man-made or non-conventional, namely, cotton, wool, synthetic, flax, ramie, pineapples leaves and other fibres and yarn made of those fibres for manufacture of jute products such as jute, jute blended yarn, jute, jute blended decorative fabrics, jute based fabrics for garments, jute laminates, jute carpets, jute blankets and jute felt except for traditional jute packaging materials like sacking, hessian, jute twine and jute rope.

1	2	3
52.	Textiles (including those dyed, printed or otherwise processed):— (i) made wholly or in part of cotton, including cotton yarn, hosiery and rope; (ii) made wholly or in part of wool, including wool tops, woollen yarn, hosiery, carpets and druggets; (iii) made wholly or in part of synthetic artificial (man made fibre, including yarn and hosiery of such fibres.	Utilisation of jute fibres and non-conventional fibres, namely, flax, ramie, pineapple leaves etc, and yarn made of these fibres for the manufacture of jute products such as jutes, jute blended decorative fabrics, jute based fabric for garments, jute laminates, jute carpets, jute blankets and jute felt except for traditional jute packaging materials like sacking, hessian, jute twine and jute rope."

[No. 5/25/89 M.I.]

S.B. SINGH, Dy. Secy.

NOTE: The principal Notification No. 79(E) was published in Part-II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary on 3-3-1986, as subsequently amended by Notification Nos.:-

- (i) S.O. 918 (E) dated 16-12-1986
- (ii) S.O. 299 (E) dated 2-4-1987
- (iii) S.O. 1005 (E) dated 1-11-1988
- (iv) S.O. 1203 (E) dated 27-12-1988
- (v) S.O. 139 (E) dated 2-2-1989
- (vi) S.O. 490 (E) dated 28-6-1989
- (vii) S.O. 746 (E) dated 19-9-1989
- (viii) S.O. 830 (E) dated 19-10-1989
- (ix) S.O. 229 (E) dated 16-3-1990

